Nai Dunia (Indore), 31st July 2023, Page – 11

नई योजना

आइआइटी इंदौर को नर्मदा की जिम्मेदारी, नवंबर में समिट के दौरान दिल्ली में होगा एमओयू

नर्मदा समेत छह नदियों का संरक्षण करेंगे 11 इंजीनियरिंग संस्थान

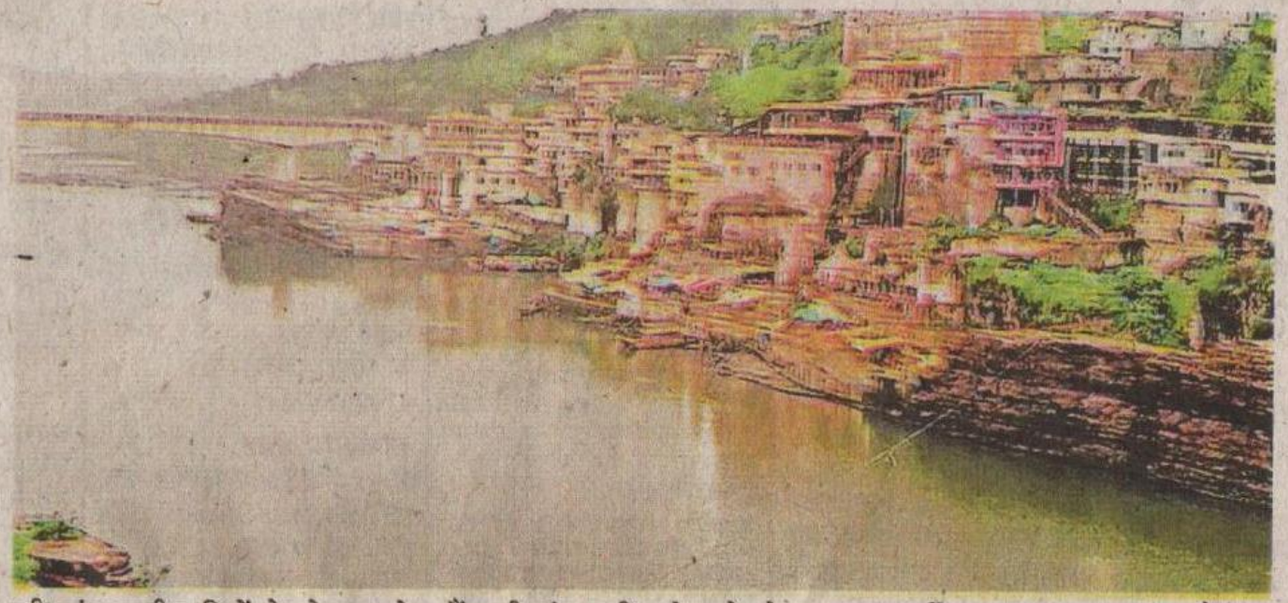

कानपुर (ब्यूरो)। नर्मदा समेत छह बड़ी नदियों को संरक्षित करने और उन्हें बहुउपयोगी बनाने के लिए आइआइटी इंदौर समेत देश के 11 इंजीनियरिंग संस्थान साथ मिलकर काम करने को तैयार हो गए हैं। नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा और आइआइटी कानपुर के सी-गंगा की ओर से नवंबर में दिल्ली में होने वाले इंडिया वाटर इंपैक्ट समिट में सभी इंजीनियरिंग संस्थानों के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

आइआइटी कानपुर सी-गंगा के संस्थापक व संस्थान के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. विनोद तारे के नेतृत्व में गंगा समेत देश की 50 से अधिक नदियों के संरक्षण की योजना प्र काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि नर्मदा के साथ ही दक्षिण भारत की पांच बड़ी नदियों के डेल्टा को संरक्षित करने के साथ ही उनके वर्षा जल प्रबंधन को लेकर काम किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में देश के 11 बड़े इंजीनियरिंग संस्थानों के लगभग 200 विशेषज्ञ काम करने को तैयार हैं। सी-गंगा की ओर से नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा के तहत नमामि गंगे प्रोजेक्ट पर काम किया गया है। प्रोजेक्ट की सफलता के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालब ने सी-गंगा से छह अन्य नदियों के संरक्षण व पुनर्जीवन का प्रस्ताव मांगा है। यह प्रस्ताव केंद्र को सौंप दिया है। जिन छह प्रमुख नदियों का चयन किया गया है, उनमें- महानदी, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी, पेरियार व कृष्णा शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट में सभी राज्य सरकारें भी शामिल हैं। इसके तहत वर्षा जल प्रबंधन और सूखे की समस्या से निपटने के तरीकों पर भी काम किया जाएगा। सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में उपयोग की भी कार्य योजना तैयार की गई है।

संस्थानों के विशेषज्ञ करेंगे काम

महानदी : एनआइटी रायपुर व एनआइटी राउरकेला

नर्मदा : आइआइटी इंदौर व आइआइटी गांधीनगर

गोदावरी : नीरी नागपुर व आइआइटी हैदराबाद

कावेरी : आइआइएससी बेंगलुरु व एनआइटी त्रिची

पेरियार : आइआइटी पलक्कड़

कृष्णा : एनआइटी वारंगल व गोखले इंस्टीट्यूट आफ पालिटिक्स एंड इकोनामिक्स पुणे